Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

Department of Hindi

A)A Summary Report of the Activity

1) Title of Programme:		कार्यशाला – आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष		
2) Name of Organizing Department/Unit:		हिंदी विभाग		
3) Name of the Coordinator(s)/ Convener(s)/ Organizer(s) of the Programme:		डॉ. पल्लवी पाटील तथा हिंदी विभाग		
4) Date(s) of the Programme:		१८.०२.२०२२		
5) Venue/Mode:		ऑनलाइन झूम माध्यम		
6) Target Group:		बी ए., बी कॉम., बी. एस्सी		
7) Number of Participants:		Male	Female	Total
A separate list with signatures be maintained in the department/Unit)	Teaching	०३	०२	०५
	Non-Teaching			
	Students	३८	६७	१०५
8) Name(s) and details of Resource Person(s), if any:		डॉ आरती पाठक ,साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला , पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ,रायपुर ,छत्तीसगढ़ .		
9) Total Expenditure for the Programme:		--		
10) Source of Funding:		--		

B)A Report

i. Title – "कार्यशाला – आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष"

ii. Introduction

हिंदी विभाग के छात्रों को स्त्री विमर्श की अवधारणा का परिचय कराने की दृष्टि से विभाग की ओर से "आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष" इस विषय पर छत्तीसगढ़ से डॉ आरती पाठक जी का व्याख्यान ऑनलाइन झूम माध्यम से १८ फरवरी २०२२ को दोपहर १२:०० बजे रखा गया. इस व्याख्यान के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ महादेव गव्हाने सर उपस्थित थे .

iii. Objectives of the Programme/ issues addressed

नर और नारी जीवन के दो पहिये माने जाते है । दोनों का समाज में समान महत्व होता है। प्राचीन भारत के समय नारी स्वतंत्र थी, महिलाओं पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबन्ध नहीं था । महिलाएं यज्ञो और अनुष्ठानो में भाग लेती थी। मध्य युग में धीरे धीरे समय बदलने पर पुरुष ने अपने अहम के लिए नारी को निम्न स्थान दिया। आज फिर से नारी समाज में प्रतिष्ठित और सम्मानित हो रही है। वर्तमान समय में नारी पुरुष के साथ कदम से कदम मिलकर चल रही है । वो घर के साथ साथ अपना कार्यक्षेत्र भी सही तरीके से संभाल रही है। उसने आज यह साबित कर दिखाया है कि शक्ति और क्षमता की दृष्टि से वह किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है । महिलाओं के सशक्तिकरण के बावजूद भी आज सरकार को 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी योजना चलानी पड़ रही है क्योंकि आज भी देश की कई जगहों पर समाज में नारी को कुचला जाता है। साथ ही साथ आज भारतीय नारी पश्चिमी संस्कृति के रंग में रंग चुकी है। भौतिकवादी सभ्यता के चलते वो अपने परिवारों के कर्तव्य से दूर होती नजर आ रही है। इस कार्यशाला के माध्यम से छात्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान तथा समानता का भाव जागृत होकर बदलाव की नींव गढ़ी जा सके यह एक प्रयास है ।

iv. Details of Participants

प्रस्तुत कार्यशाला ऑनलाइन झूम माध्यम से होने के कारन सभी विद्यार्थी के साथ-साथ अध्यापक , शोधकर्त्ता तथा विषय में रूचि रखने वाले सभी श्रोताओं के लिए खुली थी. इस कार्यशाला में कुल मिलाकर ११० प्रतिभागी थे. जिसमें विभाग के ०५ अध्यापक (पुरुष ०३ एवं महिला ०२) तथा १०५ छात्र (३८ पुरुष एवं ६७ महिला) ने अपनी सहभागिता दर्ज करते हुए प्रमुख वक्ता के मौखिक चिंतन से लाभान्वित हुए .

v. Brief Summary of Events/ Sessions

१८ फरवरी २०२२ को हिंदी विभाग की ओर से "आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष " इस विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में डॉ.आरती पाठक साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला , पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , रायपुर , छत्तीसगढ़ से उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावणा विभागाध्यक्षा डॉ पल्लवी पाटिलजी ने की। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन प्रा.अमोल लांडगे सर ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रा सूर्यकांत चव्हाण , प्रा.विजय गवली प्रा.संगीता तोड़कर, इन्होंने सहयोग दिया।

vi. Conclusion, with Feedback on the Programme

प्रस्तुत कार्यशाला में मान्यवरों का मौखिक चिंतन सुनकर छात्र अभिभूत हुए . छात्रों ने मान्यवरों से हिंदी साहित्य में स्त्री संघर्ष की अवधारणा पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा की परिपूर्ति की .

vii. Any Appendix If Necessary– प्रतिभागी सूची

Date: १८ .०२ .२०२२

विभागप्रमुख

RAJARSHI SHAHU MAHAVIDYALAYA (AUTONOMOUS) LATUR

प्राचार्य

प्राचार्य
राजर्षी शाहू महाविद्यालय
(स्वायत्त), लातूर

C) Screenshot/Photographs

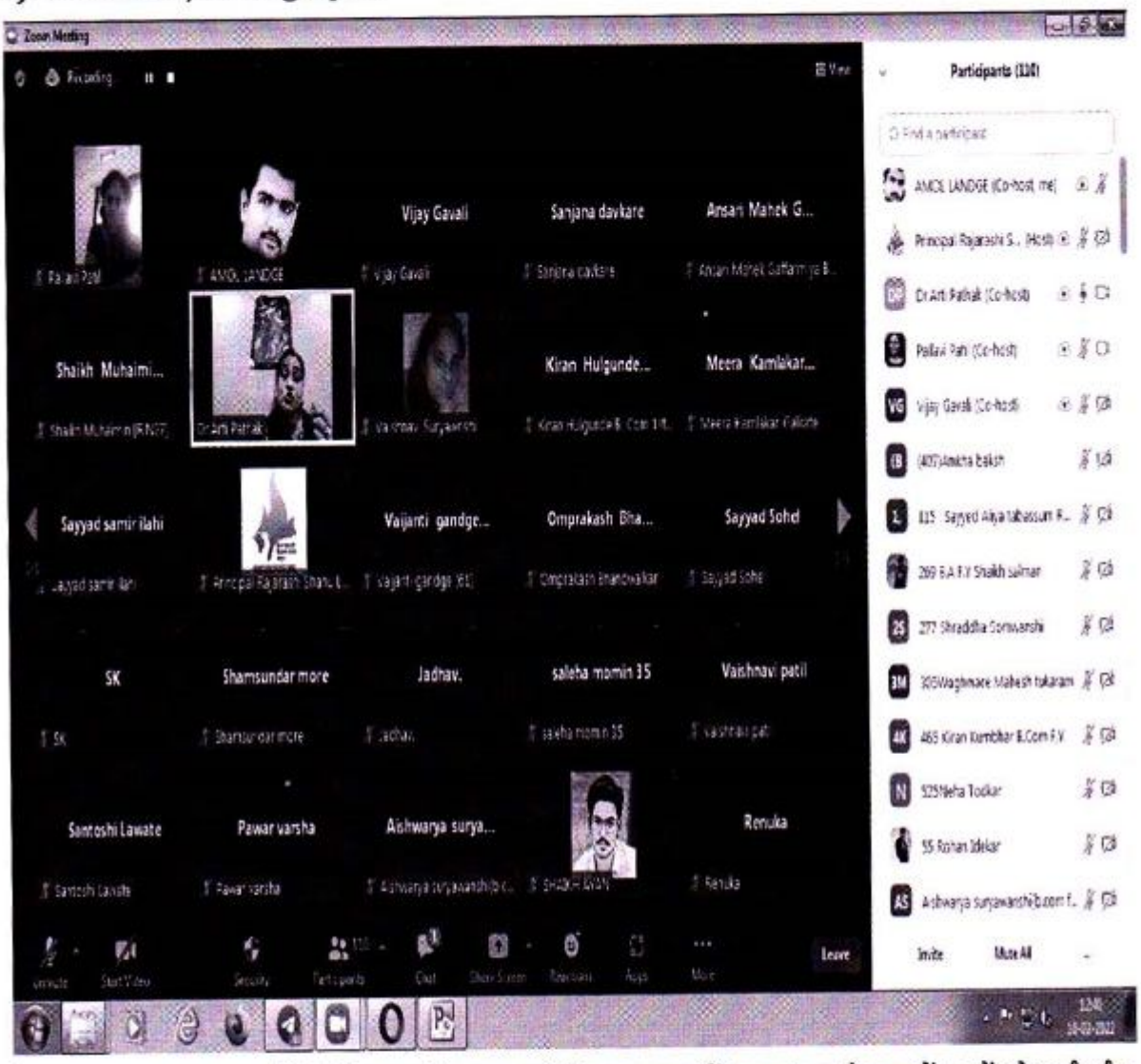

से "आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष " इस विषय पर अतिथि व्याख्यान में प्रमुख वक्ता के रूप में छात्रों को मार्गदर्शन करते हुए डॉ आरती पाठक ,साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला , पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय , रायपुर , छत्तीसगढ़ तथा सम्मिलित अन्य प्रतिभागी

D) Link of Video of the programme if any (Video may be uploaded on college website/ YouTube, etc.)

Not Available

E)Brochure

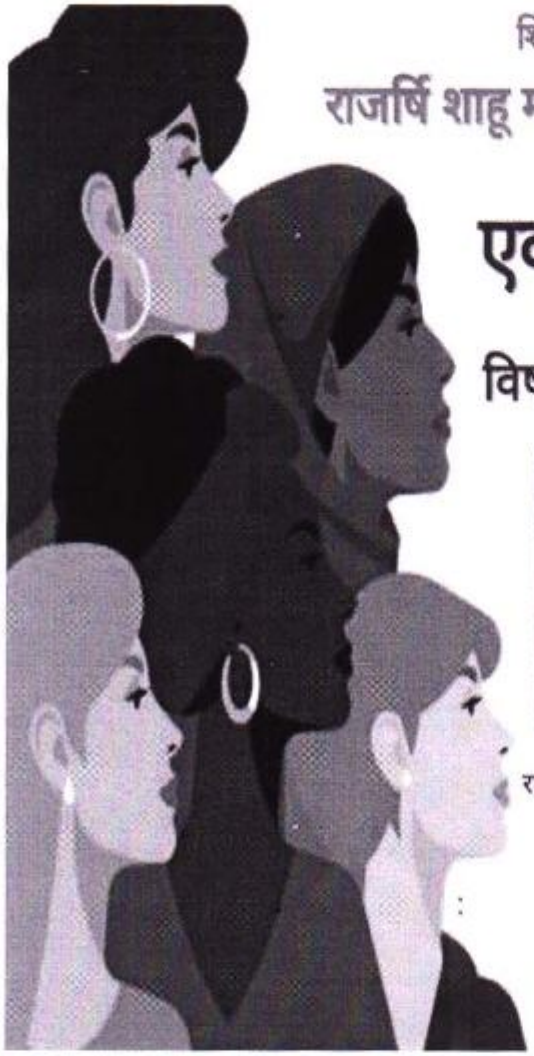

शिव छत्रपति शिक्षण संस्था द्वारा संचालित ,

राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर.महाराष्ट्र

हिंदी विभाग

एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक : १८ फरवरी ,२०२२ समय : १२ बजे.

विषय : आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष

कार्यशाला अध्यक्ष

प्राचार्य डॉ. महादेव गव्हाणे
राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त),
लातूर.

प्रमुख अतिथि

डॉ. आरती पाठक
सहायक प्राध्यापक ,
साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला ,
पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ,
रायपुर ,छत्तीसगढ़ .

संयोजन समिति :

हिंदी परिवार ,राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त) , लातूर.
डॉ.पल्लवी पाटील (हिंदी विभाग प्रमुख), प्रा. सूर्यकांत चव्हाण ,
प्रा. संगीता तोड़कर , प्रा.विजय गवळी , प्रा. अमोल लांडगे.

F)Any Other Publicity Material (news reports, online publicity, etc) (hard and soft copies to be maintained by the department/ Unit).

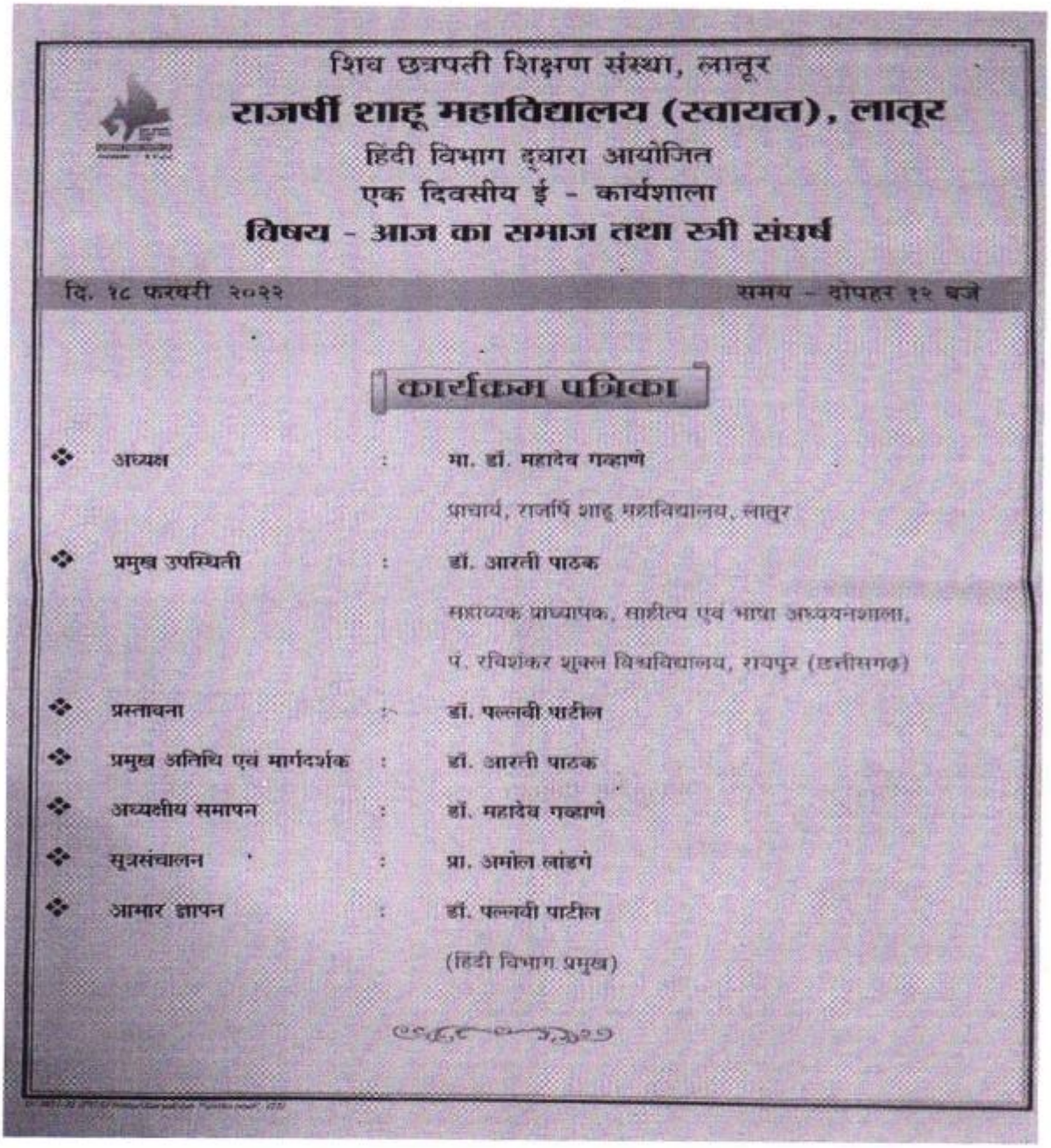

शिव छत्रपती शिक्षण संस्था, लातूर

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित

एक दिवसीय ई - कार्यशाला

विषय - आज का समाज तथा स्त्री संघर्ष

दि. १८ फरवरी २०२२ समय - दोपहर १२ बजे

कार्यक्रम पत्रिका

❖ अध्यक्ष	:	मा. डॉ. महादेव गव्हाणे प्राचार्य, राजर्षि शाहू महाविद्यालय, लातूर
❖ प्रमुख उपस्थिती	:	डॉ. आरती पाठक सहाय्यक प्राध्यापक, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपूर (छत्तीसगढ़)
❖ प्रस्तावना	:	डॉ. पल्लवी पाटील
❖ प्रमुख अतिथि एवं मार्गदर्शक	:	डॉ. आरती पाठक
❖ अध्यक्षीय समापन	:	डॉ. महादेव गव्हाणे
❖ सूत्रसंचालन	:	प्रा. अमोल लांडगे
❖ आभार ज्ञापन	:	डॉ. पल्लवी पाटील (हिंदी विभाग प्रमुख)

विभागप्रमुख

RAJARSHI SHAHU MAHAVIDYALAYA (AUTONOMOUS) ★LATUR★

प्राचार्य

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर